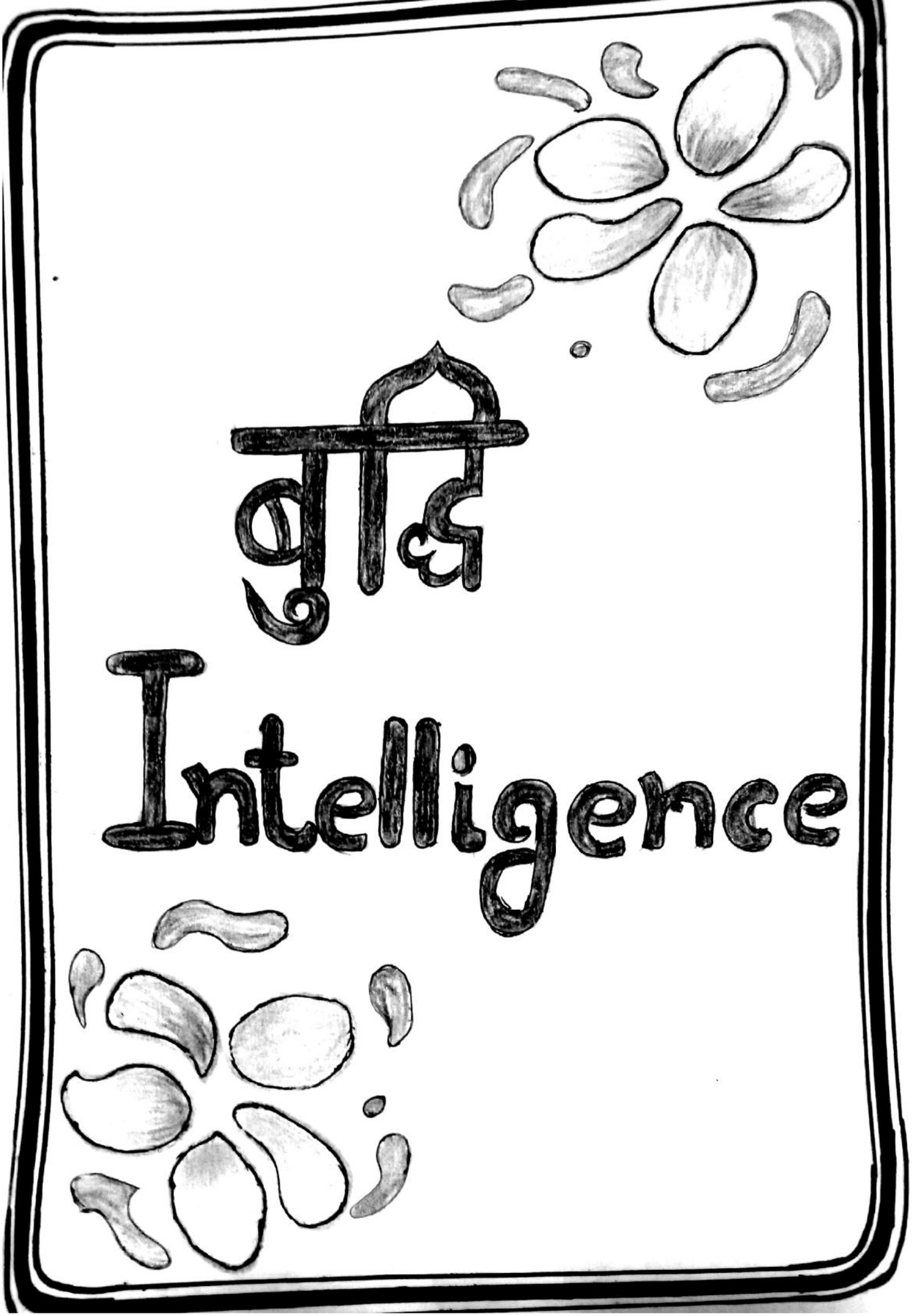

Scanned with CamScanner

क्रज के अनुसार— "बुद्धि नई तथा विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों में समुचित रूप से समायोजन करने की योग्यता है।"

"Intelligence is the ability to adjust adequately to new and different situations."

सीखने की योग्यता के रूप में बुद्धि (Intelligence as an Ability to learn)

इस वर्ग की परिभाषाओं में बुद्धि को सीखने की योग्यता के रूप में परिभाषित किया गया है। इन परिभाषाओं के अनुसार बुद्धि शीघ्रता व व्यापकता से नवीन ज्ञान प्राप्त करने की योग्यता है।

बकिंघम के अनुसार— "बुद्धि सीखने की योग्यता है।"

"Intelligence is the ability to lear."

डिसिस्बोर्न के अनुसार— "बुद्धि अधिगम करने की क्षमता अथवा अनुभवों से लाभ उठाने की योग्यता है।"

"Intelligence is the capacity to learn or to profit by experience."

अमूर्त चिन्तन के रूप में बुद्धि (Intelligence as an Ability to think Abstractly)

तीसरे वर्ग की परिभाषाएं बुद्धि को अमूर्त चिन्तन करने की योग्यता के रूप में परिभाषित करती है। इसके अनुसार बुद्धि विभिन्न परिस्थितियों में (विशेषकर उन परिस्थितियों में जिनके समाधान हेतु शाब्दिक तथा आंकिक संकेतों का प्रयोग आवश्यक होता है) प्रत्ययों

Scanned with CamScanner

संकेतों तथा प्रतीकों का प्रभावपूर्ण ढंग से प्रयोग करने की क्षमता है। इसप्रकार की परिभाषाओं के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अमूर्त चिन्तन (Abstract thinking) करने में अधिक सक्षम है।

टरमैन ने कहा कि — "व्यक्ति उतना ही बुद्धिमान होता है जितनी उसमें अमूर्त चिन्तन की योग्यता होती है।"

"An individual is intelligence in proportion as he .. is able to carry on abstract thinking." Terman

इसप्रकार बुद्धि की परिभाषाओं के तीनों वर्गीकरण के अवलोकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि इन परिभाषाओं में दृष्टिकोण मात्र का अन्तर है। अतः ये एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है।

स्टोडार्ड के अनुसार — "बुद्धि कठिनता, अमूर्तता, जटिलता, मितव्ययिता, लक्ष्य की अनुकूलता, सामाजिक मूल्य व मौलिकता की उत्पत्ति से युक्त क्रियाओं को करने तथा शक्ति की एकाग्रता तथा संवेगात्मक दबावों का प्रतिरोध करने की योग्यता आवश्यकता वाली परिस्थितियों में इन क्रियाओं को बनाये रखने की योग्यता है।"

बुद्धि के प्रकार
(Types of Intelligence)

कुछ मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि को अनेक प्रकार का बताया है। ई० एल थार्नडाइक (E.L. Thorndike) ने बुद्धि को तीन वर्गों में विभाजित किया है —

(i) - सामाजिक बुद्धि (Social Intelligence)
(ii) - स्थूल बुद्धि (Concrete Intelligence)
(iii) - अमूर्त बुद्धि (Abstract Intelligence)

Scanned with CamScanner

(i) सामाजिक बुद्धि (Social Intelligence)

सामाजिक बुद्धि समाज से सम्बद्धित है। व्यक्ति के दैनिक जीवन की विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में सामंजस्य बनाने में सामाजिक बुद्धि महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सामाजिक बुद्धि से युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ शीघ्रता व सुगमता से समायोजन कर लेता है, जबकि सामाजिक बुद्धि के अभाव में व्यक्ति को सामाजिक संबंध बनाने तथा उन्हे बनाए रखने में कठिनाई होती है।

(ii) स्थूल बुद्धि (Concrete Intelligence)

स्थूल बुद्धि को मूर्त बुद्धि भी कहा जाता है। इस बुद्धि से तात्पर्य विभिन्न वस्तुओं को समझने तथा उनका प्रयोग करने की योग्यता से है। यह वास्तविक परिस्थितियों को समझने तथा उनके अनुकूल व्यवहार करने की योग्यता है। दैनिक जीवन में विभिन्न प्रकार के उपकरणों के प्रयोग में स्थूल बुद्धि की आवश्यकता होती है। ऐसे बुद्धि वाले व्यक्ति प्रायः सुसमायोजित व्यक्ति, प्रभावी व्यवसायक बन सकते है, और जीवन में भौतिकवादी होते है।

(iii) अमूर्त बुद्धि (Abstract Intelligence)

लिखने, पढ़ने तथा तार्किक चिन्तन-मनन में अमूर्त चिन्तन-मनन में अमूर्त बुद्धि की ही आवश्यकता होती है। अमूर्त बुद्धि की ही आवश्यकता होती है। गणित व विज्ञान के सूत्रों व समीकरणों में तथा दार्शनिक विचारों में परिलक्षित होता है। ऐसी बुद्धि वाले व्यक्ति हमेशा वैज्ञानिक, कलाकार लेखक तथा अध्यापक होते है।

बुद्धि निर्धारित करने वाले कारक
Factors Determining Intelligence

बुद्धि को निर्धारित करने वाले कारक के रूप में मनोवैज्ञानिकों ने वंशानुक्रम (Heredity) तथा वातावरण (Environment)

Scanned with CamScanner